कोकिला

स्वाध्याय

पद्यांश I

अपनी पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक 41 पर दी गई पंक्तियाँ (1 से 13 तक) पढ़कर निम्नलिखित कृतियाँ कीजिए:

|कोकिल अति सुंदर ....

.... बिना विचारे ||

आकलन कृतियाँ

कृ.1. आकृति पूर्ण कीजिए:

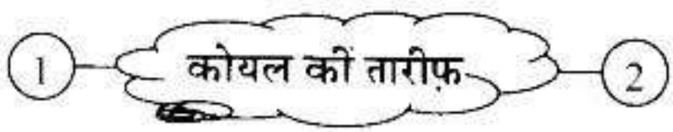

उत्तर: 1. कोयल बेहद सुंदर चिड़िया है।

2. कोयल बहुत बढ़िया है।

कृ.2. आकृति पूर्ण कीजिए:

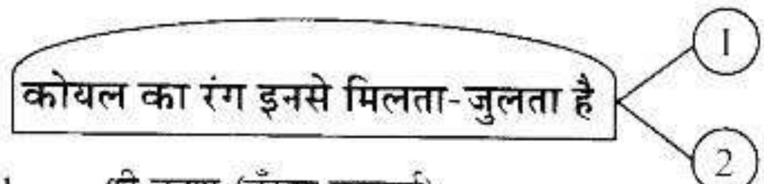

उत्तर: 1. श्री कृष्ण (कुँवर कन्हाई)

2. जामुन

कृ.3. आकृति पूर्ण कीजिए:

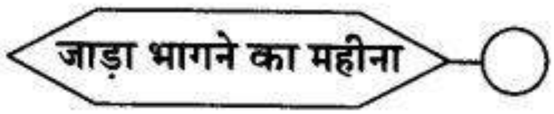

उत्तर: चैत

कृ.4. आकृति पूर्ण कीजिए:

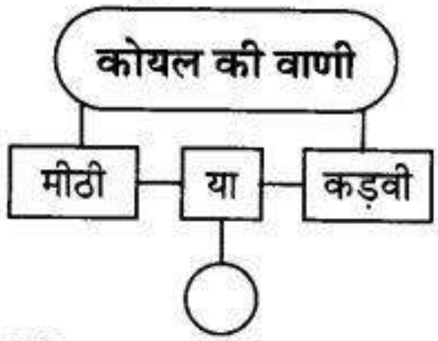

उत्तर: मीठी

कृ.5. आकृति पूर्ण कीजिए:

उत्तर: 1. बोलो मत 2. उँगली न उठाओ
3. वहीं चलो 4. सब आओ

कृ.6. आकृति पूर्ण कीजिए:

कोयल की मीठी तान है, जैसे

उत्तर: वंशी की धुन

कृ.7. आकृति पूर्ण कीजिए:

मीठी वाणी बोलने के लिए कोयल की मुद्राएँ

(1) (2)

उत्तर: 1. सिर ऊँचा करती है 2. मुँह खोलती है

कृ.8. आकृति पूर्ण कीजिए:

मीठी वाणी बोलने के अलावा कोयल का एक और विशेष गुण

उत्तर: यह खेतों के सारे कीड़े खा जाती है।

कृ.9. आकृति पूर्ण कीजिए:

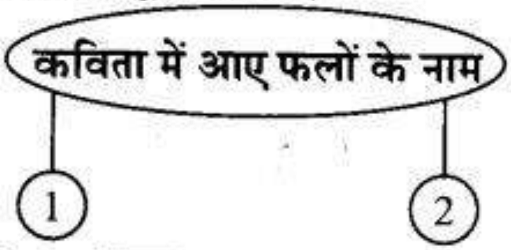

उत्तर: 1. जामुन 2. आम

कृ.10. आकृति पूर्ण कीजिए:

उत्तर: कोयल

कृ.11. एक शब्द में उत्तर लिखिए:

1. भगवान श्रीकृष्ण के लिए आया शब्द
2. हिंदू कैलेंडर में से पहले महीने का नाम
3. आम की मंजरी अथवा बौर के लिए आया शब्द
4. भगवान श्रीकृष्ण का प्रिय वाद्‌य

उत्तर: 1. कुँवर कन्हाई 2. चैत

3. मौर 4. वंशी

कृ.12.सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

1. कोयल अति सुंदर _______ है।

(बढ़िया, चिड़िया, बिटिया)

2. जिस _______ के कुँवर कन्हाई।

(संगत, पंगत, रंगत)

3. सम्मुख _______ के ऊपर, देखो वह आती है उड़कर।

(आमवृक्ष, ताड़वृक्ष, जामुनवृक्ष)

4. कैसी _______ बानी बोले है।

(कटु, मृदु, प्रिय)

उत्तर: 1. चिड़िया 2. रंगत

3. आमवृक्ष 4. मृदु

कृ.13.निम्नलिखित विधान सत्य हैं या असत्य, लिखिए:

1. जैसे ही चैत का महीना आता है ठंड शुरू हो जाती है। ☐

2. कोयल खेतों के कीड़े खा जाती है। ☐

उत्तर: 1. असत्य 2. सत्य

कृ.14.निम्नलिखित विधानों को पद्यांश में आए उनके क्रमानुसार लिखिए:

1. सिर उठाकर मीठी वाणी बोलती है।
2. इसका रंग कृष्ण के रंग जैसा है।
3. यह गाती रहती है।
4. आम के बौर सबको प्यारे हैं।

उत्तर: 1. इसका रंग कृष्ण के रंग जैसा है।
2. आम के बौर सबको प्यारे हैं।
3. यह गाती रहती है।
4. सिर उठाकर मीठी वाणी बोलती है।

कृ.15. उचित जोड़ियाँ मिलाइए:

	अ		ब
1.	कोकिल	अ.	धुन
2.	चैत	ब.	बानी
3.	मीठी	क.	चिड़िया
4.	आम	ड.	वृक्ष
5.	वंशी	इ.	मास

उत्तर: (1 – क), (2 – इ), (3 – ब), (4 – ड), (5 – अ)।

कृ.16.सही विकल्प चुनकर पंक्ति पूर्ण कीजिए:

1.

ज्यों ही

- जेठ मास लगता है, जाड़ा अपने घर भगता है।
- चैत मास लगता है, जाड़ा अपने घर भगता है।
- क्वाँर मास लगता है, जाड़ा अपने घर भगता है।

2.

त्यों ही

- यह अति मीठी बानी, कभी बोलती है रसखानी।
- यह अति मीठी बानी, सदा बोलती है दीवानी।
- यह अति मीठी बानी, नित्य बोलती है रससानी।

उत्तर: 1. ज्यों ही **चैत मास लगता है, जाड़ा अपने घर भगता है।**

2. त्यों ही **यह अति मीठी बानी, नित्य बोलती है रससानी।**

कृ.17.असंगत शब्द खोजकर लिखिए:

1. इसने भी वह संगत / रंगत पाई।
2. इसके मीठे बोल मनोहर / धरोहर।

उत्तर: 1. संगत 2. धरोहर

कृ.18.आकृति पूर्ण कीजिए:

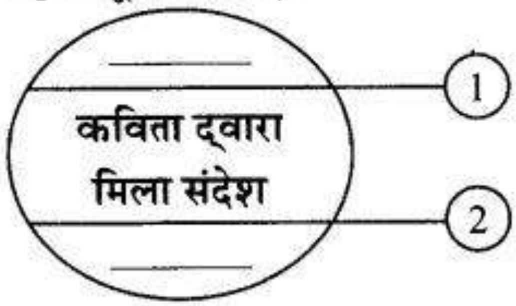

उत्तर: 1. हमें मीठी वाणी बोलनी चाहिए।
2. पक्षी परोपकारी होते हैं।

व्याकरण कृतियाँ

कृ.1. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द पद्यांश में से खोजकर लिखिए:

1.
2.
3.
4.

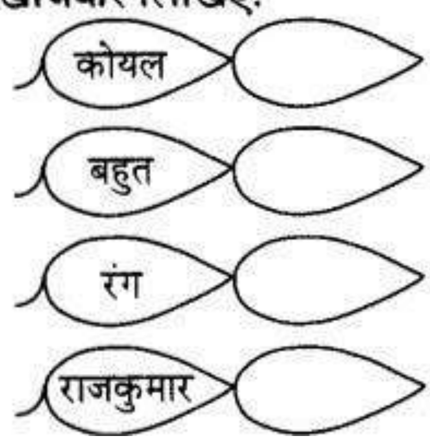

5 श्रीकृष्ण

6. महीना

7. ठंड

8. बोली

9. रोज़

10. मधुर

11. बौर

12. मनमोहक

13. पेड़

14. स्वर

15. मुँह

16. कोमल

17. विशेषता → ______

18. कीट → ______

उत्तर:

1.	कोकिल	2.	अति
3.	रंगत	4.	कुँवर
5.	कन्हाई	6.	मास
7.	जाड़ा	8.	बानी
9.	नित्य	10.	रससानी
11.	मौर	12.	मनोहर
13.	वृक्ष	14.	तान
15.	मुख	16.	मृदु
17.	गुण	18.	कीड़े

कृ.2. निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द पद्यांश में से खोजकर लिखिए:

1. असुंदर × ______
2. घटिया × ______
3. घाम × ______
4. कड़वी × ______
5. अनित्य × ______

6. असत्य × ______

7. अप्रसन्न × ______

8. विमुख × ______

9. कठोर × ______

10. अवगुण × ______

उत्तर:

1.	सुंदर	2.	बढ़िया
3.	जाड़ा	4.	मीठी
5.	नित्य	6.	सत्य
7.	प्रसन्न	8.	सम्मुख
9.	मृदु	10.	गुण

कृ.3. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए:

1.	चिड़िया	2.	मौर
3.	उँगली	4.	तान
5.	धुनि	6.	कीड़े

उत्तर:

1.	चिड़ियाँ	2.	मौरें
3.	उँगलियाँ	4.	तानें
5.	धुनें	6.	कीड़ा

क्र.4. सार्थक शब्द बनाकर लिखिए:

1.

ड़ि	या	चि

2.

स	नी	सा	र

3.

ह	म	र	नो

4.

क्ष	आ	वृ	म्र

उत्तर: 1. चिड़िया 2. रससानी

3. मनोहर 4. आम्रवृक्ष

क्र.5. निम्नलिखित शब्दों का सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए:

1. सुंदर 2. कुँवर

3. नित्य 4. सम्मुख

उत्तर: 1. राधा एक **सुंदर** लड़की है।

2. राजा के घर **कुँवर** पैदा हुआ।

3. वह **नित्य** ही सुबह उठकर बड़ों को प्रणाम करता है।

4. दूल्हे के **सम्मुख** आते ही दुल्हन शरमा गई।

क्र.6. निम्नलिखित वाक्यों के अर्थ लिखकर उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए:

1. मीठी बानी बोलना 2. मन भाना

उत्तर: 1. **मीठी बानी बोलना** – प्रिय बोलना।

वाक्य: **मीठी बानी बोलने** से कभी किसी का दिल नहीं दुखता।

2. **मन भाना** – अच्छा लगना।

वाक्य: पंडित रासबिहारी का शास्त्रीय गायन सबके **मन भा गया।**

कृ.7. कोष्ठक में दिए विरामचिह्नों का उचित प्रयोग करके वाक्य पुन: लिखिए:

'	:	,	—	'	।	'

1. कोकिल अति सुंदर चिड़िया है सच कहते हैं अति बढ़िया है
2. बोलो मत उँगली न उठाओ आओ वहीं चलें सब आओ

उत्तर: 1. कोकिल अति सुंदर चिड़िया है, सच कहते हैं अति बढ़िया है।

2. बोलो मत, उँगली न उठाओ, आओ वहीं चलें, सब आओ।

कृ.8. निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए:

घर, आम, मनोहर, मुख, गुण

उत्तर:

उपसर्ग	शब्द	नया शब्द
बे	घर	बेघर
सरे	आम	सरेआम
सु	मनोहर	सुमनोहर
आ	मुख	आमुख
अव	गुण	अवगुण

कृ.9. निम्नलिखित शब्दों में एकसमान प्रत्यय है। उसे पहचानकर लिखिए:

मीठी, बोलती, गाती, आती

उत्तर: 'ई' प्रत्यय

कृ.10. आकृति पूर्ण कीजिए:

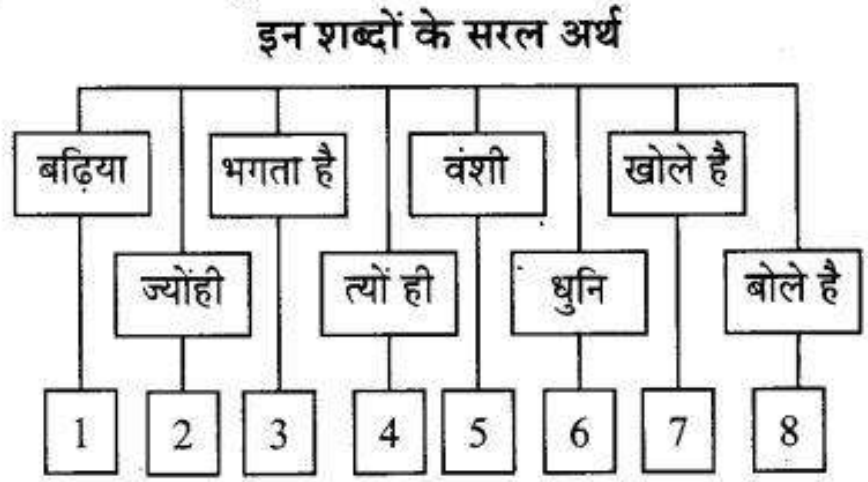

उत्तर: 1. उत्तम 2. जैसे ही

3. भाग जाता है 4. वैसे ही

5.	बाँसुरी	6.	धुन
7.	खोलती है	8.	बोलती है

पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तरी

कृ.1. कवि ने कोकिल कविता के माध्यम से कौन-सा संदेश दिया है?

उत्तर: कवि महावीरप्रसाद द्विवेदी ने प्रस्तुत कविता 'कोकिल' के माध्यम से कोकिल (कोयल) की चर्चा की है। कोयल, कृष्ण और जामुन की भाँति श्याम वर्ण की है। वह सुंदर नहीं है, परंतु उसकी बोली अत्यंत मधुर और मीठी है। उसकी मीठी वाणी सबको आकर्षित करती है। उसकी वाणी बंसी की भाँति सुरीली है। वह फसलों में लगे कीड़े खाकर फसलों को नष्ट होने से बचाती है और किसानों की सहायता करती है। कवि इस कविता व कोयल के माध्यम से गर्व के साथ सिर उठाकर किंतु नम्र होकर सदैव मीठा बोलने तथा दूसरों की मदद करने का संदेश देते हैं।

स्वमत अभिव्यक्ति

क्र.1. मीठी वाणी बोलने के लाभ

उत्तर: संत कबीरदास कह गए हैं –

ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को सीतल करै, आपहुँ सीतल होय।

इस दोहे से मीठी वाणी का महत्त्व समझ में आता है। मीठी वाणी बोलकर हम इस पूरे संसार को अपने वश में कर सकते हैं। हमारा घोर शत्रु भी मीठी वाणी के कारण हमारे सामने नतमस्तक हो जाता है। लाख प्रयासों और लाखों ख़र्च करने के बाद भी अगर आपका काम न बन रहा हो तो मीठी बातें करके देखिए, सामने वाला पिघल जाएगा और आपका बिगड़ा काम चुटकियों में बन जाएगा।

मनुष्य तो मनुष्य, ईश्वर भी मीठे बोलों की महत्ता बताते और स्वीकार करते हैं। कोयल भले ही काली होती है, मगर उसकी मीठी बोली उसे सारे पक्षियों से अलग करती है। मीठी वाणी आपके व्यक्तित्व का एक विशेष गुण है। इसलिए हमेशा प्रयास करना चाहिए कि हमारे मुँह से कभी कड़वे वचन न निकलें।